

प्रेषक,

राधा रतूड़ी

सचिव,

उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,

सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास

देहरादून, उत्तराखण्ड।

महिला स०, बा० वि० एवं सै० क० अनुभाग

देहरादून: दिनांक 17 मार्च, 2008

विषय: वित्तीय वर्ष 2007-08 में 0301-सैनिक मुख्यालय अधिष्ठान मदों में अवशेष घनराशि को आवश्यक वचनबद्ध मदों में पुनर्विनियोग किये जाने के संबंध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक, आपके पत्रांक संख्या:-2002/बजट/सै.क./पुर्न./07-08/1,2,3,4 एवं 5 दिनांक 10 मार्च, 2008 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वित्तीय वर्ष 2007-08 में 0301-सैनिक मुख्यालय अधिष्ठान के अनुदान संख्या-15 के आयोजनेतर मद में संलग्न प्रारूप के विवरण के अनुसार अवशेष घनराशि रुपये 22.85 हजार (रुपये बाईस लाख पच्चासी हजार मात्र) को आवश्यक / वचनबद्ध मदों में निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन पुनर्विनियोग के माध्यम से व्यय किये जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

1. आय-व्ययक द्वारा व्यवस्थित उक्त घनराशि में से केवल स्वीकृत चालू योजनाओं पर ही व्यय किया जाए और किसी भी दशा में उक्त घनराशि का उपयोग नये कार्यों के कार्यान्वयन के लिए नहीं किया जाए।
2. उक्त आवंटित घनराशि किसी ऐसे मद पर व्यय करने से पूर्व वित्तीय हस्त पुस्तिका एवं बजट मैनुअल अनुसार शासन या अन्य सक्षम अधिकारी की पूर्व स्वीकृति, यदि आवश्यक हो तो, ऐसा व्यय अपेक्षित स्वीकृति प्राप्त करके ही किया जाए।
3. उक्त घनराशि का व्यय मितव्ययता को दृष्टिगत रखते हुये नियमानुसार अनुमन्यता के आधार पर किया जाएगा तथा स्वीकृत घनराशि का व्यय नई मदों में कदापि नहीं किया जाएगा। व्यय उन्हीं मदों में किया जाएगा, जिनके लिए यह स्वीकृत किया जा रहा है।
4. अप्रयुक्त घनराशि को वित्तीय हस्त पुस्तिका एवं बजट मैनुअल के अंतर्गत समय सारणी के अनुसार समर्पित किया जाना सुनिश्चित किया जाए।
5. स्वीकृत की जा रही घनराशि की वित्तीय एवं भौतिक प्रगति विवरण तथा घनराशि का उपयोगिता प्रमाणपत्र समयान्तर्गत शासन को उपलब्ध करना सुनिश्चित किया जाए।

6. स्वीकृत धनराशि से अधिक धनराशि का व्यय कदापि न किया जाए।
7. स्वीकृत धनराशि का व्यय वित्तीय हस्त पुस्तिका एवं बजट मैनुअल में उल्लिखित प्राविधानों एवं मितव्ययता के संबंध में शासन द्वारा समय-समय पर निर्गत आदेशों के अंतर्गत किया जाना सुनिश्चित किया जाए।
8. उक्त स्वीकृत धनराशि का व्यय अनुमोदित परिव्यय की सीमा तक ही किया जाए।
9. इस संबंध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2007-08 के आय-व्ययक के अनुदान संख्या-15 के "आयोजनेतर पक्ष" के लेखाशीर्षक 2235-सामाजिक सुरक्षा एवं कल्याण-60-अन्य सामाजिक सुरक्षा तथा कल्याण कार्यक्रम-200-अन्य कार्यक्रम-03-सैनिक कल्याण-0301-सैनिक मुख्यालय में संलग्न प्रारूप के कॉलम-5 के सुसंगत मानक मदों के नामे डाला जायेगा तथा संलग्न प्रारूप बी0एम0-15 के पुनर्विभियोग कॉलम-1 की बचतों से वहन किया जायेगा।
10. यह आदेश वित्त विभाग की अशासकीय संख्या:-498(NP)/XXVII(3)/2008, दिनांक 17 मार्च, 2008 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किए जा रहे हैं।

संलग्नक : सद्योपरि।

भवदीया  
(राधा रतूड़ी)  
सचिव।

पृष्ठांकन संख्या: 1/8 (1)/XVII(2)/2007-09(16)/2007 तदुदिनांकित।

प्रतिलिपि : निम्नलिखित को सूचनाय एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित-

1. निजी सचिव-मा0 मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड शासन।
2. निजी सचिव-मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
3. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
4. मण्डलायुक्त, गढ़वाल, उत्तराखण्ड।
5. जिलाधिकारी, देहरादून, उत्तराखण्ड।
6. निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवाएँ, उत्तराखण्ड, देहरादून।
7. वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून, उत्तराखण्ड।
8. वित्त (व्यय नियंत्रण) अनुभाग-03, उत्तराखण्ड शासन।
9. बजट, राजकोपीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय, उत्तराखण्ड सचिवालय परिसर, देहरादून।
10. राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र, उत्तराखण्ड सचिवालय परिसर, देहरादून।
11. आदेश पंजिका।

आज्ञा से,

(राधा रतूड़ी)

(2002) 1, 5, 10

पितीय वर्ष २००७-०८  
५० विभाग- सैकड़ विभाग  
(अनादि- हजारा रुपये में)

2

[illegible]

विशेषक अधिकारी-सचिव, सैनिक कल्याण, उत्तरकाण्ड शासन	16	विनयास रजिस्टर संख्या १७					
बजट परियोजना का विवरण	बजट माध्यम आवधिक कर्म	वित्तीय वर्ष के रोच अवधि में अनुमानित कर्म	अवशेष (अवशेष भारतीय)	लोकनीय विनयास रजिस्टर का नाम है	पुनर्वित्तियोग की बात हम-5 की मूल संख्याओं	पुनर्वित्तियोग की बात हम-5 की मूल संख्याओं	अनुचित
1	2	3	4	5	6	7	8
अनुमान संख्या-015 2235-सामाजिक सुरक्षा एवं कल्याण अनुमान संख्या-01-अनुमान सामाजिक सुरक्षा एवं कल्याण कार्यक्रम, 200-अनुमान कार्यक्रम, 03-सैनिक कल्याण, 01-सैनिक सुरक्षा	240	225	0	15	10-अनुमान	50	225
17-विनयास उपसमूह	240	225	0	15	10-अनुमान	50	225
44-प्रशिक्षण एका	20	0	0	20	0.4-अनुमान	20	0



कृषि परामर्शदाता संस्थाओं का विवरण	समस्त सदस्य आबादीक प्रत्येक	विशेष रूप से स्त्री अंतर्गत में अनुसूचित जाति	अन्य (कठोरतम धनराशि)	संस्थागत संकेत-015	संस्थागत संकेत-015	संस्थागत संकेत-015	संस्थागत संकेत-015	संस्थागत संकेत-015
1	2	3	4	5	6	7	8	9
अनुसूचित संकेत-015								
06-अन्य अति	770	730	0	50				
45-अपवाध गांव	50	0	0	50				
48-अपवाध गांव	3503	3200	0	303				
	अट संकेत-06,45 एवं 48 की कल	400						
19-विशेष	25	24	0	1				
22-अतिरिक्त गांव	50	25	0	25				
	अट संकेत-19 एवं 22 की कल	26						
01-प्राथमिक	7000	6320	0	680				
03-अपवाध गांव	3920	3550	0	361				
05-स्वायत्त गांव अन्य	80	64	0	16				
07-अन्य	820	53	0	767				
	अट संकेत-01,03,05 एवं 07 की कल	1824						
योग	16475	14190	0	2285				

समस्त सदस्य आबादीक प्रत्येक 2285 (रुपये बाईस लाख पचासी हजार मात्र)

प्रमाणित किया जाता है कि पुनर्विनिर्माण से बचत में अनुमानित रूप से रु. 150,150,155, से अधिक प्रमाणित का उत्पन्न नहीं होता है।

(यथा सही)  
सचिव, सैनिक कल्याण विभाग  
उत्तराखण्ड शासन।

उत्तराखण्ड शासन

वित्त (व्यय नियंत्रण) अनु-03

संख्या-498/VI(1)/XXV/87/2808

देहरादून 17 मार्च, 2808

सेवा नं.

महोदयावर,

उत्तराखण्ड, देहरादून।

पुनर्विभाग सचिव

(अर्जुन सिंह)

(अर्जुन सिंह)

अपर सचिव, वित्त, उत्तराखण्ड शासन।

पुनर्विभाग संख्या- 118 (1)XXV/87/2808-89(16)/2007

प्रतिनिधि विभाग/विभाग को सूचनाएं एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु देवित।

1. विभाग, सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास, उत्तराखण्ड, देहरादून।
2. निदेशक, कोचगांव एवं वित्त सेक्टर, उत्तराखण्ड, देहरादून।
3. एरिड कोचगांव, उत्तराखण्ड, देहरादून।
4. आदेश संश्लेष।

आज्ञा से,

(अर्जुन सिंह)

(अर्जुन सिंह)

सचिव, सैनिक कल्याण विभाग,